



हिमानी की तरह कैसे सुलझाएँ समस्याएं?

Author: Mala Kumar

Illustrators: Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School

Translator: Suman Bajpai



२८ मार्च

गर्मी इतनी पड़ रही है कि बुरा हाल हो रहा है!

उस पर से आज गोलू को बहुत ही शरारत सूझ रही थी।
वह एक ढलान पर चढ़ गई और अब नीचे आने को
तैयार ही नहीं थी बुद्धू बकरी!

उसे नीचे लाने में सीमा और गुल्लू को मेरी
मदद करनी पड़ी।



३० मार्च

मुझे बर्फ से ढँकी हिमालय की चोटियाँ दिखाई दे रही हैं-नंदाकोट, मैक्ली, पंचाचूली, चौखम्बा-सारी चोटियाँ। पर कुमाऊँ एकदम सूखा है। गुल्लू और मैं सड़क पर लगे पंप या दूर बहते झरने से पानी लाने में ईजा और बौज्यू* की सहायता करते हैं। काश! बर्फीली चोटियों से पानी सीधे हम तक पहुँच पाता। जनवरी में जब बर्फ पड़ती है, तब भी पीने का पानी बहुत मुश्किल से मिल पाता है।

**ईजा और बौज्यू : कुमाऊँनी भाषा में इन शब्दों का प्रयोग 'माँ' और 'पिता' के लिए होता है।*



२ अप्रैल

रीना दीदी के साथ हमारी १० दिनों की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला आज शुरू हो गई। वह मुंबई से आई हैं। उन्होंने हमसे हज़ारों प्रश्न पूछे। आपको अपने स्कूल की कौन सी बात अच्छी लगती है? आपको स्कूल की कौन-सी बात अच्छी नहीं लगती? आप स्कूल में किस प्रकार के बदलाव चाहते हैं? अचानक वह मेरी तरफ मुड़ीं और मेरे नाम का अर्थ पूछा।

“हिमानी का मतलब होता है बर्फ,” मैंने कहा।



आखिर वह इतने सारे
सवाल क्यों पूछती हैं?



३ अप्रैल

बहुत मज़ा आया उस दिन! हमने एक खेल खेला। हममें से एक को ऐसी समस्या के बारे में सोचना था जिसका हमें सामना करना पड़ता है और उसे प्रश्न की तरह दूसरों के सामने रखना था। फिर दूसरे सहपाठी को उससे सम्बंधित एक प्रश्न पूछना था।

यह एक तरह से श्रृंखला वाली कहानी थी जिसमें एक बात दूसरे से जुड़ी थी। बहुत सारे प्रश्न पूछे गए!



हमें स्कूल में साफ पीने का पानी
कैसे मिल सकता है?

आखिर हम पिघलती हुई हिमनदियों से
पाइप सीधे स्कूल क्यों नहीं ला सकते?

हमें साफ पानी की ज़रूरत क्यों है?
पानी कहाँ से आएगा?

तुम ऐसे प्रश्न क्यों
पूछते हो?



हम अपनी पानी की समस्या पर
ध्यान क्यों नहीं देते?

हमारे यहाँ साफ पानी के लिए फिल्टर
क्यों नहीं लग सकता?


हमें यह फिल्टर कहाँ से मिल सकता है?
हम उसे बना क्यों नहीं सकते?
यह कैसे बनता है, इसके बारे में किसे जानकारी है?





? > ?? = ? >> ?!



४ अप्रैल

इंटरनेट पर ढूँढ़ते हुए मुझे यह चार्ट
मिला: 

 **किसी भी समस्या को क्रमशः इस प्रकार सुलझाएँ** 

- > समस्या पहचानें।
- > जितना आपसे संभव हो, समस्या से जुड़ी हर बात का पता लगाएं।
- > उस पर चर्चा करें।
- > सबसे उपयुक्त सुझाव को चुनें।
- > उसे आजमाएँ।
- > अगर आप सफल होते हैं तो बहुत अच्छी बात है।
- > अगर नहीं, तो कोई अन्य सुझाव आजमाएँ।



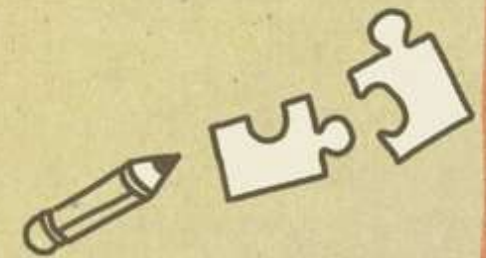
इस तरीके का इस्तेमाल करते हुए क्या हम वास्तव में
किसी समस्या को सुलझा सकते हैं?



? > ?? = ? >> ?!

५ अप्रैल

स्कूल में हमने अपनी समस्याओं की एक सूची तैयार की।
हमारी कितनी समस्याएँ हैं!



बड़ी समस्याएँ

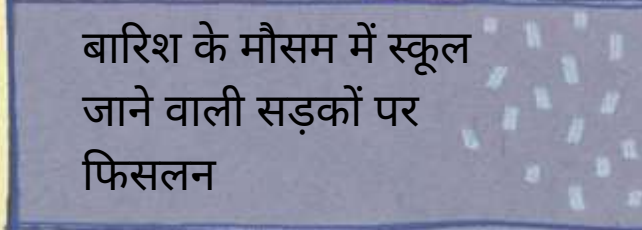
घर या स्कूल तक पानी सीधे न पहुँचना



भूस्खलन



बारिश के मौसम में स्कूल जाने वाली सड़कों पर फिसलन



बारिश के दिनों में हमारी जुराबों में जोंकों का घुस जाना



नज़दीक में किसी अस्पताल या क्लीनिक का न होना

शराब पीने के बाद हिंसक हो जाने वाले पड़ोसी



समस्याएँ जिन्हें सुलझाया जा सकता है

पीने का पानी गंदा होना



भारी स्कूल बस्ते



रात में रास्तों पर अँधेरा



हर जगह प्लास्टिक की बोटलें



६ अप्रैल

फूलगोभी की क्यारी में ईजा और बौज्यू के साथ काम करने के बाद हम स्कूल भागे। आज समस्या सुलझाने का दिन था! हम जोड़ियाँ बनाकर लाइब्रेरी गए, अपने अध्यापकों के पास गए और एक-दूसरे से बात की। फिर हम वापस कक्षा में आ गए।

१. **समस्या की पहचान:** समस्या है स्कूल में बिना फिल्टर वाला पीने का पानी। इस वजह से छात्र लगातार बीमार पड़ते हैं।

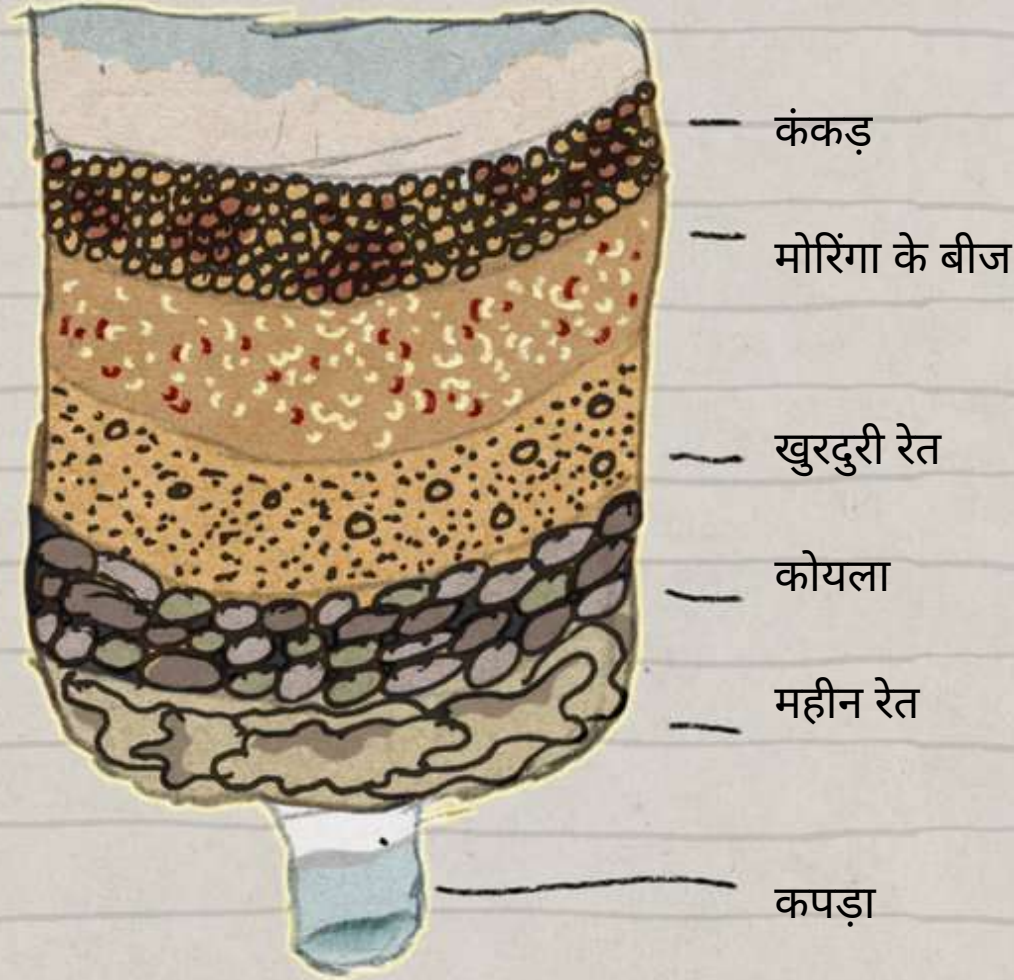
२. **पता लगाएँ:** साफ पीने का पानी मिलने में दिक्कत क्यों आ रही है? कुमाऊँ में अनेक ऐसे झरने हैं जिनका पानी एकदम शुद्ध और ताज़ा है। स्कूल के पास एक भी पानी की धारा नहीं है।

३. **विचार-विमर्श करें:** हमने पाया कि कुछ लोग कपड़े का इस्तेमाल करते हैं। इससे केवल तलछट के रूप में जमी गंदगी ही छनती है, हानिकारक जीवाणु नहीं। मनोरमा ने बताया कि उनके घर में एक छोटा वॉटर फिल्टर है। एक अध्यापक ने बताया कि मोरिंगा के बीजों को पानी के बर्तन में डालने से भी पानी को साफ करने में मदद मिलती है।

४. **तय करें:** क्या पानी वाले फिल्टर से हमारा काम बनेगा?

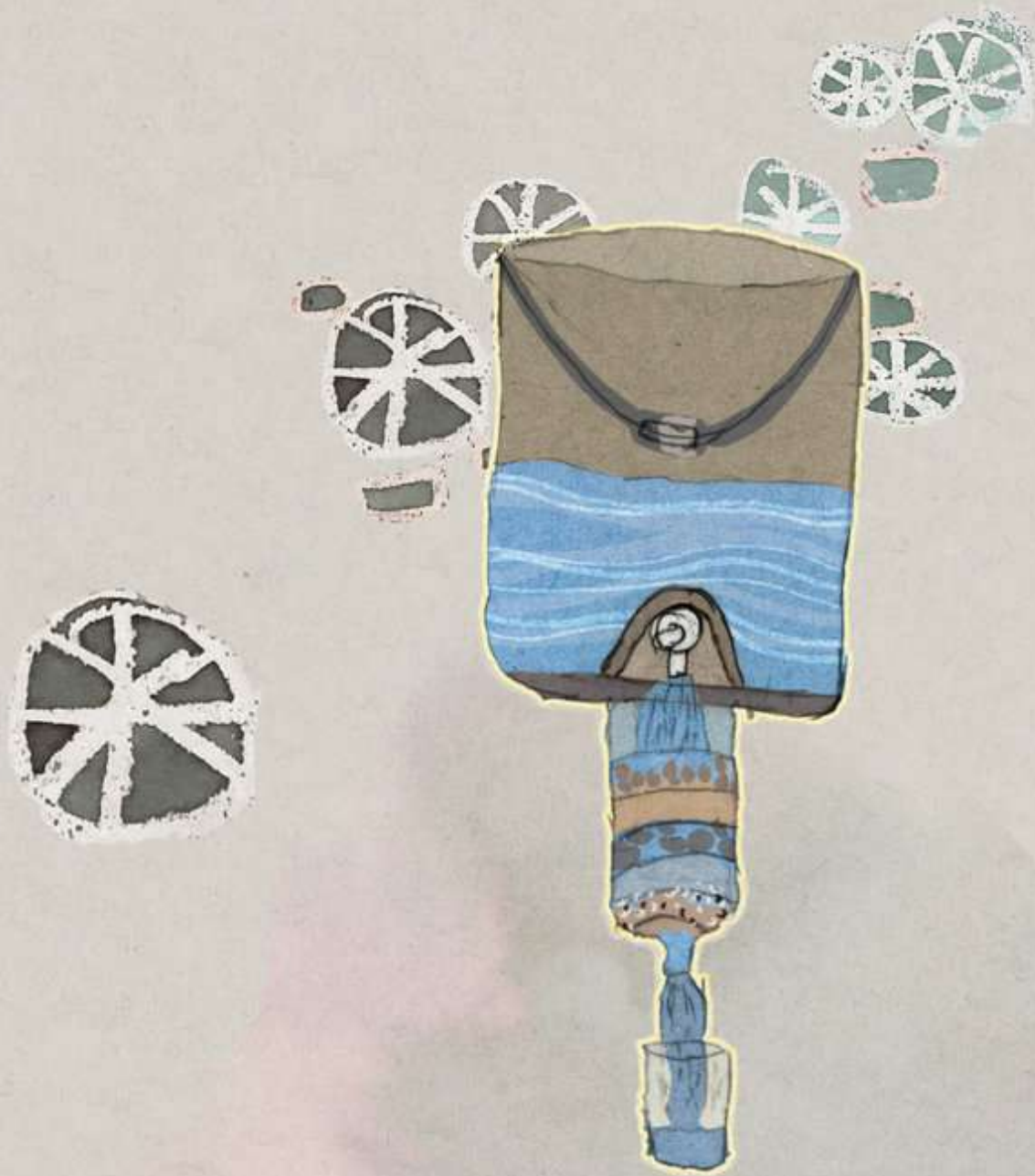


कोशिश करें:



हम सभी ने वॉटर फिल्टर के चित्र बनाए। हम सब इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि हमें ऐसा वॉटर फिल्टर चाहिए जो हमारे पानी के ड्रम की टॉपी के साथ लग सके।

कॉलेज में पढ़ने वाले संतोष भाई और आशीष भाई ने हमारे चित्रों के आधार पर वॉटर फिल्टर बनाने में हमारी मदद की। हमारे स्कूल में पानी को जमा करने और साफ करने की प्रणाली को बनाने के लिए उन्होंने अपने कॉलेज से कुछ दिनों के लिए छुट्टी ले ली। फिल्टर किया हुआ पानी एकदम साफ और ताज़ा था। उसका स्वाद भी बहुत अच्छा था!





११ अप्रैल

आखिरी तीन दिनों में, हमने बहुत सारे चित्र बनाए। कई और परेशानियों के समाधान ढूँढ़ने के लिए भी हमने समस्या-समाधान विधि का प्रयोग किया।



हल चक्र

इसे खींचने के लिए मवेशी या ट्रैक्टर की ज़रूरत नहीं होती। खेतों के लिए यह छोटा कदम बहुत उपयोगी है।

बोतल से बनी टॉर्च

रिसाइकल यानी पुनःचक्रित चीज़ों से टॉर्च बनाया। उसे एक बेकार पड़ी प्लास्टिक की बोतल के अंदर फिट किया ताकि नमी से वह खराब न हो जाए। इस क्षेत्र में बैटरी से चलने वाली टॉर्चों को नमी बहुत जल्दी खराब कर देती है।

छोटा सिंचाई यंत्र

अंगूर जैसी फसलों के लिए, जिनके लिए मिट्टी का गीला रहना आवश्यक है, हर समय सिंचाई की आवश्यकता होती है, पुरानी बोतलों से बनता है, और इन्हें अस्पताल में आईवी ट्यूबों की तरह एक के बाद एक जोड़ा जाता है।



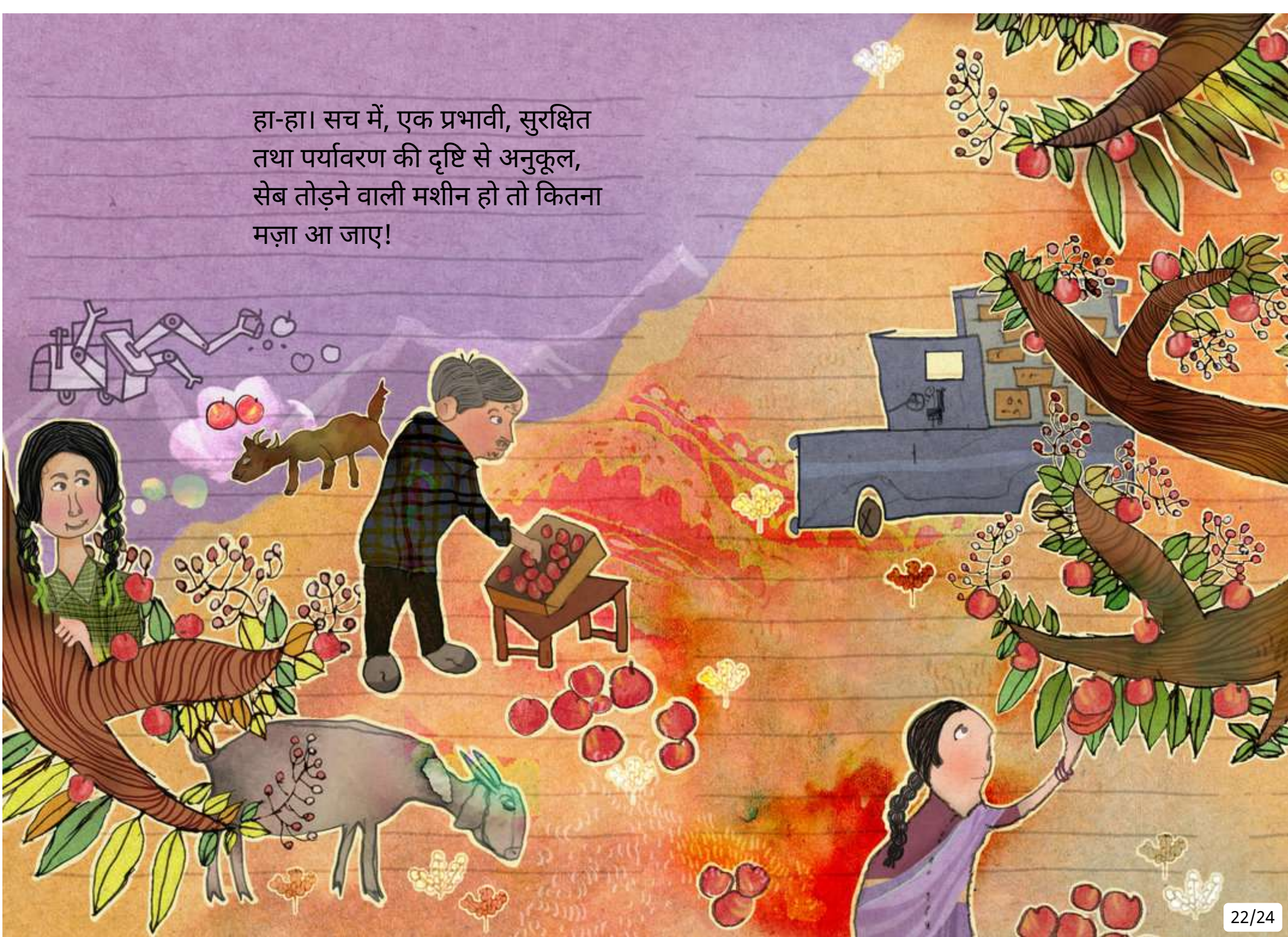
१३ अप्रैल

अब जबकि कार्यशाला खत्म हो गई है, हम सब खुबानी, नाशपाती, सेब और बुरांस के फूल की फसल काटने और उन्हें डिब्बों में पैक करने में व्यस्त हैं। ईजा और बौज्यू फल तोड़ने में माहिर हैं! मैं नहीं हूँ। कल, फल तोड़ते समय मेरा पाँव फिसला और मेरी एड़ी में मोच आ गई। शुक्र है कि हड्डी नहीं टूटी!

काश! ऐसा कोई उपकरण होता जो फल तोड़ने में मेरी मदद कर देता! ऐसा नहीं हो सकता क्या कि हम गोलू और अन्य बकरियों को फल तोड़ने में प्रशिक्षित कर सकें।



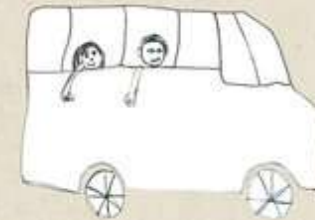
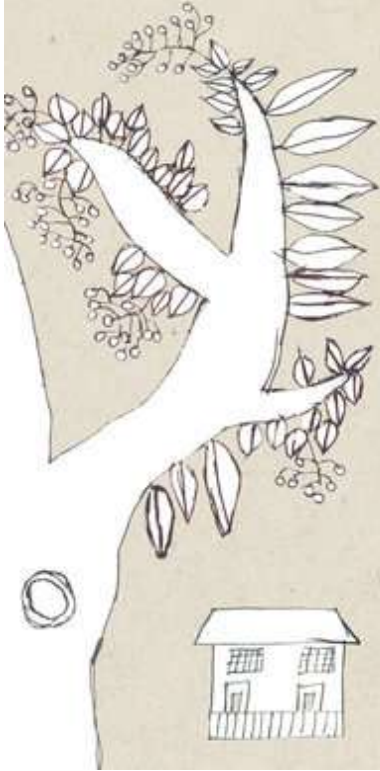
हा-हा। सच में, एक प्रभावी, सुरक्षित
तथा पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल,
सेब तोड़ने वाली मशीन हो तो कितना
मज़ा आ जाए!



सतखोल की कहानियाँ

यह कहानी सतखोल में द वॉकिंग स्कूल बस के द्वारा २०१८ में उनके हिमालय अभियान के दौरान किए गए काम से प्रेरित है। टी डब्ल्यू एस बी सुरक्षित यातायात, पोषण और नवीनतम शैक्षिक कार्यक्रमों को उपलब्ध कराने की दिशा में काम करता है। उनकी प्रतियोगिता 'सर्च फॉर जुगाड़' के माध्यम से ऐसे नए और महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए जो अपने-अपने समुदाय से संबंधित शिक्षा की चुनौतियों का स्थानीय समाधान ढूँढने में लोगों की सहायता कर सकते हैं।

इस कहानी में चित्र हिमालयन पब्लिक स्कूल, उत्तराखंड, के तीसरी से लेकर आठवीं कक्षा के छात्रों- दिव्या, मानसा, पूजा, दिपांशु जे, रितेश, लक्षित, उज्ज्वल दीपांशु एन और पुष्पा ने बनाए हैं। टी डब्ल्यू एस बी द्वारा संचालित कला की कक्षाओं में ८० से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया था।





This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

Story Attribution:

This story: हिमानी की तरह कैसे सुलझाएँ समस्याएं? is translated by [Suman Bajpai](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[How to Solve a Problem like Himani](#)', by [Mala Kumar](#). © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

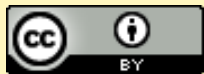
Other Credits:

'Himani Ki Tarah Kaise Sulajhaen Samasyaen?' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by CISCO. www.prathambooks.org

Images Attributions:

Cover page: [One girl sitting on the ground](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Trees and mountains](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Goats grazing in the hills](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [A water pump](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [School bus](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Three students listening to a woman](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Living with nature](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Four students in a classroom](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Four students in a class](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [A class in progress, situated in the open](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

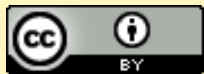


Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

Images Attributions:

Page 11: [A blank board](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [A girl](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [A board](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [Six boxes with images](#) by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [Four boxes with images](#) by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: [One house](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: [A water purifier](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: [Water filtration](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: [Three people holding different devices](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: [Grassy field](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: [Land](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: [People picking apples](#), by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

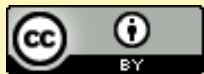


This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

Images Attributions:

Page 23: [A tree, a house and a bus](#) by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 24: [A house in the hills and children holding drawings](#) by [Ruchi Shah, Students of Himalayan Public School](#) © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



The development of this book has been supported by CISCO.

हिमानी की तरह कैसे सुलझाएँ समस्याएं? (Hindi)

उत्तराखंड की पहाड़ियों में एक छोटे से स्कूल में, हिमानी और उसके सहपाठी सीखते हैं कि जीवन की वास्तविक समस्याओं को कैसे सुलझाना है। यह कहानी हिमानी के डायरी के पन्नों के माध्यम से यह बताती है कि समस्या चाहे छोटी हो या बड़ी, उसे किस तरह एक-एक कदम उठाते हुए सुलझाना चाहिए।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at <https://www.freekidsbooks.org>
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?



<https://www.freekidsbooks.org>
Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: <https://www.freekidsbooks.org/about>

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.

This page is added for identification.